संकलित परीक्षा - II, 2013

617PKOQ

कक्षा - X

हिन्दी 'अ'

निर्धारित समय: 3 घण्टे **अधिकतम अंक: 90**

निर्देश:

(1) इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड 'क'

1 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन के सभी सुखों का उपभोग कर सकता है। अस्वस्थ व्यक्ति जीवन भर दुख भोगता है। इसलिए तंदरुस्ती को हज़ार नेमत कहा जाता है। शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए हमें नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए। व्यायाम से हमारा अभिप्राय कसरत से है। शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए विशेष प्रकार की जो क्रियाएँ या यत्न किए जाते हैं वे व्यायाम कहलाते हैं। जीवन की सफलता उत्तम स्वास्थ्य पर निर्भर करती है। अच्छा स्वास्थ्य ईश्वर का वरदान है। व्यायाम करने से व्यक्ति स्वस्थ रहता है, उसकी पाचन शक्ति ठीक रहती है तथा शरीर चुस्त और फुर्तीला बना रहता है। व्यायाम करने से आलस्य कोसों दूर भागता है। विद्यार्थी जीवन में व्यायाम का अभ्यास डाल लेना चाहिए क्योंकि इस समय पड़ी हुई आदतें उम्र भर साथ चलती हैं। जो विद्यार्थी व्यायाम नहीं करते, वे आलसी और शारीरिक रूप से दुर्बल हो जाते हैं। पढ़ाई-लिखाई में भी उनका मन नहीं लगता। यदि विद्यार्थी का शरीर स्वस्थ होगा तो उसका मस्तिष्क भी स्वस्थ होगा। कहा भी है-स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। प्रात: भ्रमण एक अच्छा व्यायाम है क्योंकि प्रात: काल का वातावरण अत्यंत शुद्ध होता है।

(1) अस्वस्थ व्यक्ति किस प्रकार का जीवन व्यतीत करता है?

(क) दुख भरा (ख) सुख भरा

(ग) चुस्त (घ) तंदरूस्ती भरा

(2) शरीर को स्वस्थ रखने के लिए क्या करना ज़रूरी होता है?

(क) आराम (ख) व्यायाम (ग) पढ़ाई-लिखाई (घ) आलस्य

(3) अच्छा स्वास्थ्य है :

(क) एक वरदान (ख) अभिशाप

(ग) परिणाम (घ) कल

(4) 'व्यायाम' से क्या अभिप्राय है?

(क) पाचन शक्ति (ख) स्वस्थ रहने के लिए किए गए प्रयत्न

(ग) पढ़ाई-लिखाई (घ) सोना

(5) प्रात:काल का वातावरण किस प्रकार का होता है?

(क) धूल भरा (ख) प्रदूषित

(ग) अत्यंत शुद्ध (घ) सुहावना

2 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए।** 5

अभ्यास के बिना जीवन में सफलता नहीं मिल सकती। प्रथम बार में प्रत्येक कार्य कुछ कठिन लगता है। यदि व्यक्ति उस कार्य को कठिन समझकर बैठ जाएगा तो वह उसे कभी भी नहीं कर सकता। अमेरिका के भूतपूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन प्रारंभ में हर चुनाव बार-बार हारे। उन्होंने अभ्यास का क्रम नहीं छोड़ा और एक दिन राष्ट्रपति पद प्राप्त कर लिया। यदि हम अभ्यास छोड़ देंगे तो सफलता हमें छोड़ देगी। भारतीय इतिहास साक्षी है कि सिकंदर की सेना ने भारत में आगे बढ़ने से इंकार कर दिया था क्योंकि वह भारतीय राजाओं की शक्ति से भयभीत हो गई थी। यदि उसने अभ्यास किया होता तो भारत से यूनानी साम्राज्य इस प्रकार समाप्त नहीं हो सकता था। इसके विपरीत मुहम्मद गौरी ने पृथ्वीराज चौहान पर विजय पाने के लिए सात बार प्रयत्न किया और अंत में सफल हो गया। निरंतर अभ्यास एक ऐसी कुंजी है, जो मनुष्य के लिए सफलता के द्वार खोल देती है। अभ्यास से विद्या अमृत बन जाती है, तो बिना अभ्यास के विद्या विष का रूप धारण कर लेती है। इसीलिए शास्त्रों में कहा गया है-'अनभ्यासे विषं विद्या'। जो व्यक्ति अभ्यास नहीं करता, उसके पास विद्या अधिक समय तक नहीं टिक सकती। बहुत बड़ा गणितज्ञ भी यदि गणित का अभ्यास छोड़ देगा तो गणित उसे छोड़ देगा। एक विख्यात संगीतकार यदि संगीत का अभ्यास नहीं करेगा, तो फिर कभी संगीत गाने में समर्थ भी नहीं हो सकेगा। खिलाड़ी यदि खेल का अभ्यास नहीं करेगा, तो कभी भी कीर्तिमान स्थापित नहीं कर पाएगा। अत: अभ्यास अवश्य करना चाहिए।

(1) संसार में कठिन कार्य भी आसान हो जाता है :
(क) साहस से (ख) परिश्रम से
(ग) अभ्यास से (घ) दृढ़ता से

(2) अभ्यास का अभाव विद्या को बनाता है :
(क) अमृत (ख) विष
(ग) सार्थक (घ) उपयोगी

(3) सिकंदर की सेना इसलिए आगे नहीं बढ़ी क्योंकि :
(क) वह निर्बल थी।
(ख) उसमें आत्मबल का अभाव था।
(ग) वह राजाओं की शक्ति से डरी हुई थी।
(घ) उसके पास शस्त्रों का अभाव था।

(4) अभ्यास द्वार खोलता है :
(क) असफलता के (ख) सफलता के
(ग) समृद्धि के (घ) दुष्टता के

(5) खिलाड़ी के लिए नए-नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए आवश्यक है :
(क) अभ्यास (ख) आक्रामक पारी
(ग) शारीरिक क्षमता (घ) दौड़ने का सामर्थ्य

3 **अपठित काव्यांश** 5

उस पानी की सुनो कहानी —
जिसे सुनाती मेरी नानी।
कहती थी जो बहता जाता,
कभी ठोस से द्रव बन जाता,
गर्म करो तो झट उड़ जाता,
जिसको लाती वर्षा रानी।
उस पानी की सुनो कहानी।

हंस बत्तखों को तैराता,
मछली को जल से सहलाता
जीव-जन्तु की प्यास बुझाता,
जीवन का दाता है पानी।
उस पानी की सुनो कहानी।

ताल तलैया में भर जाता,
रिस धरती के नीचे आता,
कुओं में भर-भर गहराता,
धरती को करता है धानी।
उस पानी की सुनो कहानी।
मानव ने इसको झुठलाया,

मैला कर खुद ही विष पाया,
जीव-जन्तु सबको तड़पाया,
मुझे बचाओ कहता पानी
उस पानी की सुनो कहानी।

(1) पानी की प्रकृति नहीं है —
(क) प्रवहणशीलता (ख) ठोसपना
(ग) द्रवणशीलता (घ) निरंतर स्थिरता

(2) जीव-जन्तुओं में पानी के बिना कौन मर जाता है ?
(क) हँस (ख) बत्तख (ग) मछली (घ) बगुला

(3) पानी धानी करता है —
(क) नदी को (ख) तलैया को
(ग) धरती को (घ) कुए को

(4) मानव का पर्याय शब्द नहीं है —
(क) मनु (ख) मानुष (ग) मनुष्य (घ) मर्त्य

(5) पानी को विषैला बनाया है —

(5) [illegible]

(क) जीव-जन्तुओं ने (ख) जंगली जानवरों ने

(ग) मानव-समाज ने (घ) मशीनों ने

4 **अपठित पद्यांश - 5** 5

सच कहता हूँ मेरी मानो, खतरनाक हैवान है ये।
दहेज माँगने वाले, सबसे शर्मनाक इंसान हैं ये।।
धिक्कार है उन लोगों को, जो बेटों की ''नीलामी'' करते हैं।
पैसों के लिये ''सीता'' को छोड़कर ''सूर्पणखा'' की हामी भरते हैं।।
बेटों को अगर पढ़ाया है तो लड़की वालों पर अहसान किया ?
लड़के वालों के स्वार्थ पर, बापू ने घर बर्बाद किया।।
माँगने वाले को इन्कार करो सब, बहुत बड़े शैतान हैं ये।।
दहेज माँगने वाले सबसे शर्मनाक इंसान हैं ये।।
नई पीढ़ी के युवा साथियो ! इस कैन्सर का उपचार करें।
माँगने को उकसायें भी तो, साथी इन्कार करें।।
अपने लिये है, अपना कर्त्तव्य, नहीं अन्य पर अहसान है ये।
दहेज माँगने वाले बड़े शर्मनाक शैतान हैं ये।।

(1) कविता किसको संबोधित है ?

(क) दहेज माँगने वालों को (ख) दहेज देने वालों को

(ग) विवाहयोग्य कन्याओं को (घ) नई सदी के युवाओं को

(2) 'सूर्पणखा' का प्रतीकार्थ है —

(क) रूपमती कन्या (ख) कुरूप कन्या

(ग) शिक्षित कन्या (घ) गुणवती कन्या

(3) कविता में 'उपचार' शब्द का अर्थ है —

(क) अपमान (ख) अपशब्द

(ग) इलाज (घ) औषध

(4) दहेज माँगने वाले कैसे नहीं हैं ?

(क) खतरनाक हैवान (ख) शर्मदार इंसान

(ग) शर्मनाक शैतान (घ) बड़े शैतान

(5) इस कविता का संदेश है —

(क) दहेज कैन्सर है। (ख) दहेज अभिशाप है।

(ग) दहेज सामाजिक कुरीति है। (घ) दहेज एक दानव है।

5 **निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित का पद-परिचय लिखिए —** 5

(क) हरि और गोपाल यहाँ आए थे।

(ख) शीला पुस्तक पढ़ती है।

(ग) वाह ! मज़ा आ गया।

(घ) पकेआम मधुर होते हैं।

(ङ) गाय मीठा दूध देती है।

6 **निर्देशानुसार उत्तर दीजिए —** 5

(क) सूर्य छिपा और अँधेरा हो गया। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ख) साहसी विद्यार्थी ही उन्नति करते हैं। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ग) सुषमा आकर चली गई। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(घ) जो परिश्रम करता है, सफलता उसके कदम चूमती है। (वाक्य भेद बताइए)

(च) वह घबरा गया था इसीलिए कुछ न बोल सका। (वाक्य भेद बताइए)

7 **निम्नलिखित प्रश्नों को कोष्ठक में दिए गए वाच्य के अनुसार परिवर्तित कीजिए।** 5

(क) मैं यह भाषा नहीं पढ़ सकूँगा। (भाववाच्य)

(ख) तुम सच बोलोगे। (कर्मवाच्य)

(ग) आप सीढ़ी नहीं चढ़ पाएँगे। (भाववाच्य)

(घ) तुम पढ़ नहीं सकते। (कर्मवाच्य)

(ङ) सोहन द्वारा झंडा फहराया जाएगा। (कर्तृवाच्य)

8 **निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए ?** 5

(क) भावना के हाथ ने जिसमें वितानों को तना था।

(ख) चरण-कमल बंदौ हरिराई।

(ग) तरनि-तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए।

(घ) पीपर पात सरिस मन डोला।

(ङ) कहे कवि बेनी बेनी बयाल की चुराई लीनी।

खण्ड 'ग'

9 **निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुवैकल्पिक प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखिए।** 5

जन्मी तो मध्य प्रदेश के भानपुरा गाँव में थी, लेकिन मेरी यादों का सिलसिला शुरू होता है अजमेर के ब्रह्मपुरी मोहल्ले के उस दो-मंज़िला मकान से, जिसकी ऊपरी मंज़िल में पिताजी का साम्राज्य था, जहाँ वे निहायत अव्यवस्थित ढंग से फैली-बिखरी पुस्तकों-पत्रिकाओं और अखबारों के बीच या तो कुछ पढ़ते रहते थे या फिर 'डिक्टेशन' देते रहते थे। नीचे हम सब भाई-बहिनों के साथ रहती थीं हमारी बेपढ़ी-लिखी व्यक्तित्वविहीन माँ . . . सवेरे से शाम तक हम सबकी इच्छाओं और पिता जी की आज्ञाओं का पालन करने के लिए सदैव तत्पर। अजमेर से पहले पिता जी इंदौर में थे जहाँ उनकी बड़ी प्रतिष्ठा थी, सम्मान था, नाम था। कांग्रेस के साथ-साथ वे समाज-सुधार के कामों से भी जुड़े हुए थे। शिक्षा के वे केवल उपदेश ही नहीं देते थे, बल्कि उन दिनों आठ-आठ, दस-दस विद्यार्थियों को अपने घर रखकर पढ़ाया है जिनमें से कई तो बाद में ऊँचे-ऊँचे ओहदों पर पहुँचे। ये उनकी खुशहाली के दिन थे और उन दिनों उनकी दरियादिली के चर्चे भी कम नहीं थे। एक ओर वे बेहद कोमल और संवेदनशील व्यक्ति थे तो दूसरी ओर बेहद क्रोधी और अहंवादी।

1. लेखिका का जन्म हुआ था -
   (क) मध्यप्रदेश के भानपुरा गाँव में (ख) इन्दौर में
   (ग) अजमेर में (घ) भोपाल में
2. लेखिका की माँ बेपढ़ी-लिखी होने के साथ-साथ -
   (क) व्यक्तित्वहीन थी। (ख) व्यक्तित्व विहीन थी
   (ग) व्यक्तित्व पूर्ण थी। (घ) गरिमा पूर्ण थी
3. लेखिका के पिता शिक्षा के उपदेश देने के साथ-साथ -
   (क) विद्यार्थियों से पैसा कमाते थे।
   (ख) विद्यार्थियों को पढ़ाते थे।
   (ग) विद्यार्थियों से अपने घर का काम करवाते थे।
   (घ) अच्छे उपदेशक थे।
4. अजमेर से पहले लेखिका के पिता कहाँ रहते थे?
   (क) बिजनौर (ख) इंदौर
   (ग) मध्यप्रदेश (घ) भानपुरा
5. गिरती आर्थिक स्थिति के कारण -
   (क) पिता के जीवन से उदारता चली गई।
   (ख) उनका अहं बढ़ गया।
   (ग) जीवन से संवेदन शीलता चली गई।
   (घ) बेहद क्रोधी हो गए।

अथवा

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए। 5

नाटकों में स्त्रियों का प्राकृत बोलना उनके अपढ़ होने का प्रमाण नहीं। अधिक से अधिक इतना ही कहा जा सकता है कि वे संस्कृत न बोल सकती थीं। संस्कृत न बोल सकना न अपढ़ होने का सबूत है और न गँवार होने का। अच्छा तो उत्तररामचरित में ऋषियों की वेदांतवादिनी पत्नियाँ कौन-सी भाषा बोलती थीं ? उनकी संस्कृत क्या कोई गँवारी संस्कृत थी ? भवभूति और कालिदास आदि के नाटक जिस ज़माने के हैं उस ज़माने में शिक्षितों का समस्त समुदाय संस्कृत ही बोलता था, इसका प्रमाण पहले कोई दे ले तब प्राकृत बोलने वाली स्त्रियों को अपढ़ बताने का साहस करे। इसका क्या सबूत कि उस ज़माने में बोलचाल की भाषा प्राकृत न थी ? सबूत तो प्राकृत के चलन के ही मिलते हैं। प्राकृत यदि उस समय की प्रचलित भाषा न होती तो बौद्धों तथा जैनों के हज़ारों ग्रंथ उसमें क्यों लिखे जाते, और भगवान शाक्य मुनि तथा उनके चेले प्राकृत ही में क्यों धर्मोपदेश देते ? बौद्धों के त्रिपिटक ग्रंथ की रचना प्राकृत में किए जाने का एकमात्र कारण यही है कि उस ज़माने में प्राकृत ही सर्वसाधारण की भाषा थी। अतएव प्राकृत बोलना और लिखना अपढ़ और अशिक्षित होने का चिह्न नहीं।

(1) प्राचीन काल में ऋषियों की वेदांतवादिनी पत्नियाँ बोलती थीं —
(क) प्राकृत भाषा में (ख) पाली भाषा में
(ग) संस्कृत भाषा में (घ) अपभ्रंश भाषा में

(2) प्राकृत भाषा में धर्म का उपदेश देते थे —
(क) अत्रि ऋषि (ख) शाक्य मुनि एवं उनके शिष्य
(ग) भवभूति (घ) कवि हर्ष

(3) 'उत्तररामचरित' का लेखक है —
(क) कालिदास (ख) भम्मट
(ग) भवभूति (घ) श्रीहर्ष

(4) वेदांतवादिनी पत्नियाँ कौन-सी भाषा बोलती थीं ? वाक्य में वेदांतवादिनी शब्द है —
(क) सर्वनाम (ख) संज्ञा
(ग) क्रिया विशेषण (घ) विशेषण

(5) त्रिपिटक ग्रंथ लिखा हुआ है —
(क) पाली में (ख) अपभ्रंश में
(ग) प्राकृत में (घ) संस्कृत मे

10 महावीर प्रसाद द्विवेदी जी का निबन्ध 'स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन' उनकी दूरगामी और खुली सोच का परिचायक है, कैसे ? 4

11 **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।**

(1) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक क्यों कहा गया है? 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर बताइये । **2**

(2) लेखिका मन्नू भंडारी की माँ का व्यक्तित्व व स्वभाव कैसा था ? 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **2**

(3) 'संस्कृति' पाठ में 'मनीषी' किसको कहा गया है और क्यों? **2**

12 सूर समर करनी करहिं कहि न जनावहिं आपु। **5**

बिद्यमान रन पाइ रिपु कायर कथहिं प्रतापु।।

(क) शूरवीर कौन होता है?

(ख) कायर व्यक्ति कौन कहलाता है?

(ग) प्रस्तुत काव्यांश का वक्ता कौन है? यह किसे से बोधित किया जा रहा है?

(घ) काव्यांश के दो तद्भव शब्द छाँटकर लिखिए।

(ङ) काव्यांश में प्रयुक्त अलंकार और छन्द का नाम लिखिए।

अथवा

भूलीसी एक छुअन बनता हर जीवित क्षण – 5

छाया मत छूना

मन, होगा दुख दूना।

यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है

(i) क्षण के लिए ''जीवित'' विशेषण का प्रयोग करके कवि क्या बताना चाहते है?

(ii) छाया छूने से मन का दुख दुगना कैसे होगा?

(iii) यश, वैभव, धन दौलत आदि का मनुष्य के जीवन में क्या स्थान है?

(iv) मृगतृष्णा का प्रयोग किस अर्थ में हुआ है?

(v) काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए।

13 **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।**

(1) परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष टूटने के क्या-क्या कारण बताए? 2

(2) 'छाया मत छूना' कविता में कवि क्या भूलने की सीख देता है? और क्यों? 2

(3) कन्यादान 'कविता' में माँ द्वारा बेटी को कही गई पंक्ति – 'पानी में झाँक कर अपने चेहरे पर मत रीझना' से क्या तात्पर्य है? 2

(4) तारसप्तक में गाते समय मुख्य गायक का गला बैठने पर उसकी कैसी मन:स्थिति हो जाती है? 'संगतकार' कविता के आधार पर बताइए। 2

(5) 'मातु पिताहि जनि सोचबस करसि महीस किसोर' पंक्ति का वक्ता कौन है? इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

14 पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ने में वर्तमान पीढ़ी द्वारा प्रकृति का दोहन किस प्रकार किया जा रहा है? इसे रोकने के लिए आप अपने दायित्वों का निर्वाह कैसे करेंगे? पाठ के आलोक में स्पष्ट कीजिए। 4

15 **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए।**

(1) दुलारी में टुन्नू के प्रति करुणा की भावना क्यों जाग उठी? 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। 2

(2) भीतरी विवशता क्या होती है? लेखक ने उसे कब अनुभव किया? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। 2

(3) 'वहीं सुख शांति और सुकून है जहाँ अखंडित संपूर्णता है' कथन से लेखिका का क्या आशय है? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। 2

(4) पहाड़ी रास्तों से गुज़रने का अनुभव लेखिका के लिए कैसा था? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। 2

खण्ड 'घ'

16 **निम्न में से किसी एक विषय पर (संकेत बिन्दुओं के आधार पर) लगभग 80 से 100 शब्दो का अनुच्छेद लिखिए।**

(1) **परीक्षा-कक्ष —** 5

- शांत वातावरण
- कुछ घबराहट
- एक-दूसरे से पूछने का प्रयास
- निरीक्षक अध्यापक का भय

(2) **यदि मैं प्रधानमंत्री होता —** 5

- शक्ति और सत्ता का सदुपयोग
- भ्रष्ट नेताओं को सबक सिखाता
- महँगाई पर नियंत्रण रखता
- किसी के हाथ का खिलौना न बनता

(3) **जो तोको काँटा बुवै, ताहि बोए तू फूल —** 5

- पंक्ति का अर्थ
- मानवीय गुणों का महत्त्व
- नेकी कर कुएँ में डाल
- परिणाम

17 आप अपने विद्यालय में एक अन्तर्विद्यालय भारतीय धरोहर सामान्य-ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन करना चाहते हैं। सांस्कृतिक सचिव की हैसियत से इस आयोजन के लिए उचित सुविधाओं की मांग करते हुए अपने प्राचार्य को एक प्रार्थना पत्र लिखिए। 5

- o 0 o -